बी0 ए0 प्रथम वर्ष

पेपर–1 सामान्य समाजशास्त्र

प्रथम इकाई – समाजशास्त्र की परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र एवं विषय वस्तु, समाजशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञान से सम्बन्ध– राजनीति शास्त्र, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्रीय परिपेक्ष – प्रकार्यात्मक एवं संघर्षात्मक।

द्वितीय इकाई – अवधारणाएं समाज, संगठन, समुदाय, समिति, संस्था, सामाजिक संरचना एवं प्राकार्य, आदर्श, मूल्य, संस्तुति, प्रस्थिति एवं भूमिका, प्रस्थिति पुंज, भूमिका पुंज, भूमिका संघर्ष, सामाजिक नियन्त्रण।

तृतीय इकाई – (अ) सामाजिक समूह – अर्थ एवं प्रकार : प्राथमिक, द्वितीयक, अंत एवं वाह्य समूह, औपचारिक एवं अनौपचारिक समूह, संदर्भ समूह।
(ब) सामाजिक प्रक्रिया – सहयोग : आत्मसातकरण, पर–संस्कृति ग्रहण, सहयोग।
असहयोग – प्रतिस्पर्धा, संघर्ष।

चतुर्थ इकाई – सामाजिक स्तरीकरण एवं गतिशीलता – अर्थ, स्वरूप (दासता, जागीर प्रथा, जाति एवं वर्ग) एवं सिद्धान्त (मूर, मार्क्स, वेबर)-सामाजिक गतिशीलता अर्थ, प्रकृति एवं प्रकार।

पंचम इकाई – समाज, संस्कृति तथा संबन्धित प्रक्रियाएं – संस्कृति की परिभाषा एवं अर्थ, सभ्यता एवं संस्कृति, व्यक्ति, संस्कृति एवं समाज में अंतसम्बन्ध, सामाजिकरण – सोपान एवं सिद्धान्त।

References:

Bottomore, T.B. 1972. Sociology: A guide to problems and literature. Bombay: George Allen and Unwin (India); English & Hindi version

Haralombas, M.1998. Sociology: Themes and Perspective, New Delhi: OUP; English & Hindi version

Inkeles, Alex. 1987. What is Sociology, New Delhi: Prentic Hall

Maclver and Page. 1950. Society: An introductory analysis, New Delhi: Prentic Hall; English & Hindi version

Johnson, Harry M.1995. Sociology: A systematic introduction, New Delhi: Allied Publisher; English & Hindi version

Davis, K. 1949. Human Society, New York: Macmillan Publisher, English & Hindi version

Goode, William J. 1977. Principles of Sociology, New York: McGraw Hill

बी0 ए0 प्रथम वर्ष

पेपर–2 भारतीय समाज

प्रथम इकाई – भारतीय समाज के विशिष्ट लक्षण एवं अनेकता में एकता (क्षेत्रीय, भाषीय एवं धार्मिक विभिन्नताएं) सजातीयता एवं प्रजातीयता अस्मिता।

द्वितीय इकाई – आर्थिक, राजनैतिक एवं पारम्परिक के विशिष्ट संदर्भ में भारतीय समाज (जनजातीय, ग्रामीण एवं नगरीय संस्कृति), जनजाति–जाति सततता, लोक नगरीय सततता।

तृतीय इकाई – हिन्दू सामाजिक संगठन : वर्ण आश्रम व्यवस्था, पुरूषार्थ, जाति अर्थ एवं सिद्धान्त, जाति एवं वर्ण, जाति इकाई के रूप में एवं जाति व्यवस्था के रूप में।

चतुर्थ इकाई – (अ) परिवार – परिभाषा एवं प्रकार (एकांकी एवं संयुक्त), ग्रामीण तथा नगरीय विभिन्नताएं।
(ब) विवाह – परिभाषा एवं प्रकार, विवाह एक संस्कार के रूप में (हिन्दू के बीच में) एक संविदा के रूप में (मुस्लिम के बीच में)।
(स) नातेदारी – परिभाषा एवं प्रकार उत्तर एवं दक्षिण भारतीय नातेदारी व्यवस्था में तुलना।

पंचम इकाई – आर्थिक एवं राजनैतिक संस्थाएं : जजमानी सम्बन्ध, जाति–वर्ग संधि, प्रभुत्व जाति, जाति पंचायत एवं संवैधानिक पंचायत, पंचायती राज व्यवस्था।

Reference:

Mandelbaum, D. G. 1970. Society in India, Bombay: Popular Prakashan

Kapadia, K.M. 1966. Marriage and Family in India, Calcutta: Oxford University Press.

Karve, I. 1980. Kinship system in India, Bombay: Popular Prakashan

Atal, Y. 2006. Changing Indian Society, New Delhi: Rawat Publication

Dube, S.C. 2005. Indian Society, New Delhi: NBT

Srinivas, M.N. 1980. India: Social Structure, New Delhi: Hindustan Publishing Corporation.

Prabhu, P.H. 2005. Hindu Social Organization, Popular Prakashan Ltd.

Ghurye, G.S. 1969. Caste and race in India, Bombay: Popular Prakashan

Chauhan, B.R. 1988. Bharat me Grameen Samaj, Etwah: A.C. Brothers (Hindi).

Singhvi, N.K. & V. Gosawami. Samajshastriya Vivachana (Hindi)

इलाहाबाद विश्वविद्यालय

समाजशास्त्र (पाठ्यक्रम) बी0ए0 द्वितीय वर्ष

(2013–2014 से परिवर्तित तथा नवीनतम संशोधनों सहित)

प्रथम प्रश्न–पत्र : सामाजिक परिवर्तन

इकाई 1. (अ) सामाजिक तथा सॉंस्कृतिक परिवर्तन–अर्थ ,परिभाषा ,विशेषताएँ, तुलनात्मक विश्लेषण।

(ब) परिवर्तन के स्वरूप–प्रगति, वृद्धि , विकास ,उद्विकास ,प्रसार , क्रॉंति।

(स) अधिसंरचनात्मक परिवर्तन तथा अधोसंरचनात्मक परिवर्तन।

इकाई 2. सामाजिक परिवर्तन के समाजशास्त्रीय सिद्धान्त–

(अ) उद्‌विकासीय–सिद्धान्त(हर्बर्ट स्पेन्सर) (ब) रेखीय–सिद्धान्त(अगस्तकॉम्ट)

(स) चक्रीय–सिद्धान्त(विल्फ्रेडपैरेटो) (द) संघर्ष–सिद्धान्त(कार्लमार्क्स)

(य) वैचारिक–सिद्धान्त(मैक्सवेबर) (र) प्रकार्यात्मक–सिद्धान्त(विल्बर्ट मूर)।

इकाई 3. सामाजिक परिवर्तन के कारक – (अ)जनसॅंख्यात्मक कारक (ब) जैविकीय कारक

(स) आर्थिक कारक (द) प्रौद्योगिक कारक (य) सॉंस्कृतिक कारक।

सामाजिक परिवर्तन के सुकारक – (अ) सामाजिक नियोजन (ब) भारत की पंच वर्षीय योजनाएँ।

इकाई 4. सॉंस्कृतिक प्रक्रियाएँ – (अ) सार्वभौमिकीकरण (ब) क्षेत्रीयकरण (संकीर्णीकरण) (स) आधुनिकीकरण,

(द) सॅंस्कृतीकरण (य) पश्चिमीकरण (र) [illegible] (लौकिकीकरण) (ल) वैश्वीकरण([illegible]

इकाई 5. सामाजिक आन्दोलन – (अ) अर्थ, परिभाषा और प्रकार (ब) सामाजिक–धार्मिक आन्दोलन (आर्य समाज)

(स) कृषक आन्दोलन (मोपलाह) (द) पर्यावरण आन्दोलन (चिपको) (य) दलित आन्दोलन (द्रविड़)

++

इलाहाबाद विश्वविद्यालय

समाजशास्त्र (पाठ्यक्रम) बी0ए0 द्वितीय वर्ष

(2013–2014 से परिवर्तित तथा नवीनतम संशोधनों सहित)

द्वितीय प्रश्न–पत्र : भारत में सामाजिक समस्याएँ

इकाई 1. सामाजिक समस्याएँ –(अ) अवधारणा, विशेषताएँ (ब) सामाजिक समस्याओं के प्रति सैद्धान्तिक दृष्टिकोण

(स) सामाजिक समस्याओं के प्रकार, (द) समाजशास्त्र तथा सामाजिक समस्याएँ।

इकाई 2. (अ) बालक (बाल–श्रम) (ब) युवा (किशोर–अपराध) (स) वृद्धजनों की स्वास्थ्य सम्बन्धी , पुनर्वास सम्बन्धी तथा पीढ़ी–अन्तराल की समस्याएँ (द) इनसे सम्बन्धित शासकीय नीतियाँ तथा उनके परिणाम।

इकाई 3. (अ) निर्धनता तथा बेरोज़गारी – दोनों समस्याओं की अवधारणा , कारण तथा उन्मूलन के उपाय

(ब) आई0आर0डी0पी0 अर्थात् एकीकृत – ग्रामीण – विकास – योजना

(स) "मनरेगा" अर्थात् महात्मा – गाँधी – राष्ट्रीय – ग्रामीण – रोज़गार – गारण्टी – योजना।

इकाई 4. (अ)अनुसूचित–जातियों (ब) अनुसूचित–जनजातियों (स) अन्य–पिछड़े–वर्गों पर शासकीय नीतियों के सकारात्मक क्रियान्वयन का प्रभाव।

इकाई 5. (अ) लिंग–भेद की समस्या (ब) जातिवाद (स) सम्प्रदायवाद (द) आतंकवाद (य) भ्रष्टाचार।

++

बी० ए० तृतीय वर्ष पाठ्यक्रम
समाजशास्त्र

द्वितीय प्रश्न–पत्र (शोध पद्धतियाँ)

ईकाई I सामाजिक अनुसन्धान : अर्थ, उद्देश्य और प्रकार; सामाजिक सर्वेक्षण; सिद्धान्त, तथ्य, पद्धतिशास्त्र, पद्धति और तकनीकी; सामाजिक अनुसन्धान में वैषयिकता ।

ईकाई II सामाजिक अनुसन्धान के मूल मूत चरण; समस्याओं का चुनाव तथा निरूपण चर वर्गीकरण, परिभाषा, उपकल्पना का निर्माण।

ईकाई III अनुसन्धान प्ररचना के प्रकार : अन्वेषणात्मक, विवरणात्मक, प्रयोगात्मक।

ईकाई IV प्रविधि एवं तथ्य संकलन के स्रोत
आँकड़ा संकलन के तकनीक एवं स्रोत आँकड़ा प्राप्ति के स्रोत (प्राथमिक और द्वितीयक स्रोत);
अवलोकन; साक्षात्कार; अनुसूची; प्रश्नावली; वैयक्तिक अध्ययन; अन्तर्वस्तु विश्लेषण।

ईकाई V प्रतिदर्श का अर्थ, और उसके प्रकार (सम्भावित, असम्भावित निर्दशन) माध्य, मध्यिका और बहुलक : मानक विचलन, तथ्यों का सारणीयबद्ध और बिन्दु रेखीय प्रदर्शन, प्रतिवेदन लेखन।

Reference

Young, P.V. 1980. Scientific social survey and research, Bombay: India Reprint (in Hindi also)

Goode, W.J. and Hatt. P.K. 1981. Methods in Social Research Mcgraw Hill, New York.

Seiltiz, Claire, Marie Jahoda. (etal.) 1959. Research in Social Relations New York: Henry Holt and Company.

Mueller, J.H. & K.F. Schuessler. 1977. Statistical Reasoning in Sociology Houghton Miffin

सिंह, सुरेन्द्र, 1975, सामाजिक अनुसन्धान Vol I तथा Vol II यू० पी० ग्रन्थ एकेडमी, लखनऊ (हिन्दी).
त्रिपाठी, सत्येन्द्र, 1985, सामाजिक सर्वेक्षण एवं अनुसन्धान

बी० ए० तृतीय वर्ष पाठ्यक्रम
समाजशास्त्र

प्रथम प्रश्न–पत्र (समाजशास्त्रीय सिद्धान्त)

ईकाई I यूरोप तथा भारत में समाजशास्त्र की उत्पत्ति (फ्रांसीसी क्रान्ति और पुर्नजागरण)
कॉम्ट तथा स्पेन्सर का योगदान।

ईकाई II प्रकार्यवादी सिद्धान्तकार :
ईमाईल दुर्खीम: सामाजिक तथ्य, श्रम विभाजन, धर्म, आत्म–हत्या।
आर० के० मर्टन मध्य अभिसीमा का सिद्धान्त, प्रकार्यात्मक विश्लेषण की रुपतालिका एवं प्रस्थापनायें (प्रकट और अप्रकट प्रकार्य, प्रकार्यात्मक विकल्प)

ईकाई III संघर्षवादी सिद्धान्तकार :
कार्लमार्क्स : इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या, वर्ग संघर्ष, विसरन (एलिनेशन)।
आर० डेहरेनडार्फ : सत्ता, औद्योगिक समाज में संघर्ष का सिद्धान्त।

ईकाई IV अन्तःक्रियावादी सिद्धान्तकार
मैक्स वेबर : सामाजिक क्रिया, आदर्श प्रारूप सत्ता और उसके प्रकार,
प्रोटेस्टेण्ट नीति एवं पूंजीवाद का उदय।
जे० एच० मीड : अन्तःक्रियावाद।

ईकाई V भारतीय चिन्तक :
एम० एन० श्रीनिवास : (प्रकार्यवादी परिपेक्ष्य);
डी० पी० मुकर्जी : (मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य); राधाकमल मुकर्जी (मूल्य परिप्रेक्ष्य)।

Reference :

Aron, R. Main currents in sociology thought, D.P. Mukharji (Marxian perceptive); Radhakamal Mukharji (Value perspective)

Coser, Lewis, 1979. Masters of Sociological Thouth, New Delhi; Rawat Publisher
Singh, Y 1986. India Sociology, Social conditioning and emerging trends, New Delhi : Vistar

Visitor Morrison, Ken. 1995, Marx, Durkeim Weber ; Formation of modern social thought, London; Sage

Mead, G.H. 1962. Mind Self and Society, Chicago : Chicago University Press.

Giddens, Anthony 1997, Capitalism and Modern Social Theory Cambridge. Cambridge University Press.

चौहान, बी० आर० सामाजिक विज्ञान के प्रेरक स्रोत, इटावा, ए० सी० ब्रॉदर्स (हिन्दी)।

बी० ए० तृतीय वर्ष पाठ्यक्रम
समाजशास्त्र

तृतीय प्रश्न–पत्र (ब) : अपराध का समाजशास्त्र, (वैकल्पिक)

ईकाई I **मूलभूत अवधारणा**
सामाजिक असंगठन, अनुरूपता, विसंगति, विचलन, अपचारी, अपराध, अपकृत्य दमनकारी और प्रतिकारी संस्तुति, सामाजिक नियंत्रण।

ईकाई II **अपराध के सिद्धान्त:**
लम्ब्रोसा (जैविकीय सिद्धान्त); सदरलैण्ड (अन्तरीय व्यवहार); मर्टन (विसंगति) बैकर (चस्पाकरण सिद्धान्त); उपसांस्कृतिक सिद्धान्त (अलबर्ट कोहन)।

ईकाई III **अपराध के कारण एवं प्रकार :**
अपराध के जैविकीय भौगोलिक, आर्थिक, राजनैतिक और धार्मिक कारण।
श्वेतवसन अपराध, बाल अपराध, संगठित अपराध, साईबर अपराध, महिलाओं के विरुद्ध अपराध।

ईकाई IV दण्ड के प्रकार :
शारीरिक दण्ड, कारावास, मृत्युदण्ड; दण्ड का सामाजिक प्रकार्य (दुर्खीम)

ईकाई V दण्ड और पुर्नवास सम्बन्धी सिद्धान्त :
प्रतिशोधात्मक, प्रतिरोधात्मक, निरोधात्मक, सुधारात्मक, परिवीक्षा, पेरोल

Reference

Reckless, Walter, G. 1967. The Crime Problem, New York; Meridith Publishing.

Sutherland, Edwin, H. and Donald R. Creassy, 1968; Principles of Criminology, Bombay, Times of India Press.

Pranjpe, N.V. 2008; Criminology and Penology, Allahabad; Central Law Publication.

Nisbet, R.A. 1966. Contemporary Social Problems, New York; Harcourt, Brace & World, Inc.

बी० ए० तृतीय वर्ष पाठ्यक्रम
समाजशास्त्र

तृतीय प्रश्न–पत्र (अ) : सामाजिक मानवविज्ञान (वैकल्पिक)

ईकाई I **मूलभूत अवधारणा :**
मानवविज्ञान की परिभाषा और प्रमुख शाखाएं सामाजिक मानवविज्ञान की परिभाषा, विषय वस्तु और पद्धति। क्षेत्रकार्य सहभागी अवलोकन एवं वंशावली।
जनजातियों का प्रजातीय एवं भौतिक वितरण।

ईकाई II **मानवविज्ञान से सम्बन्धित शब्दावलियां: जनवृत्तान्त (एथनोग्राफी) जनवृत्त शास्त्र (एथनोलॉजी), सामाजिक संरचना और सामाजिक संगठन। संस्कृति की मानवशास्त्रीय परिभाषा एवं स्वरूप : सांस्कृतिक तत्व, संस्कृति संकुल।**

ईकाई III **जनजातियों में परिवार और नातेदारी :**
परिवार की परिभाषा और प्रकार, भारतीय जनजातियों के उदाहरण, परिवार की सार्वभौमिकता। विवाह की परिभाषा और प्रकार, भारतीय जनजातीय समुदायों के उदाहरण। जनजातियों में वधू प्राप्ति के तरीके, भारतीय उदाहरण। नातेदारी की परिभाषा एवं प्रकार लीनियज, गोत्र, बिरादरी अद्वान्स। नातेदारी व्यवस्था: एस्कीमो, सूडानीज, हवाईअन व इराकुआ क्रो, समोहा, थारवाड।

ईकाई IV भारतीय जनजातियों की अर्थव्यवस्था :
जनजातीय अर्थव्यवस्था– विशेषताएं और प्रकार; सम्पत्ति की अवधारणा आदिम साम्यवाद; आर्थिक एवं अनुष्ठानिक विनिमय : पोटलैच समारोह, कुला चेन, मूक विनिमय ।

ईकाई V भारतीय जनजातियाँ और धर्म
जादू, धर्म, और विज्ञान; जनजातियों में धर्म के स्वरूप; धार्मिक विश्वास (उपासना) के विविध स्वरूप; टोटम उपासना, शामिनी उपासना, पुरोहित उपासना।

Reference

Kluckhohn, C. 1949; Mirror for Man. Whittlesey House. New York.

Herskovits, M.J. 1974, Cultural Anthropology. Indian Reprint Editor; Oxford & IBH Pub. Co. New Delhi.

Mair, L. 2001; An introduction to Social Anthropology. 2nd ed. (Reprint). Oxford Univ. Press, New Delhi

Majumber, D.N. and T.N. Madan. An introduction to Social Anthropology. Delhi: National Pub. House (in Hindi also).

Vidyarthi, L.P. & B. K. Roy, 1980. Tribal Culture of India, Delhi; Kitan Mahal.